(c) whether Government propose to locate new Yellow metal mines in the country and if so, the details thereof; and

(d) what would be the financial implications involved?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): (a) to (c) The Government is aware of the depletion of gold reserves in the country which has occurred mainly on account of exhaustion of reserves in the working mines of the Kolar Gold Field under operation for over a century. The steps taken to identify new reserves include intensification of exploration through the Geological Survey of India (GSI) and Mineral Exploration Corporation Limited (MECL) and exploitation of new gold deposits by Bharat Gold Mines Limited (BGML). The MECL is continuing detailed exploration over the following blocks:

Kamataka State:

(1) Gadag Gold Field—Hosur Champion East & West blocks and Mysore Mine Option block.

(2) Hutti Gold Field—Buddini and Wandali blocks.

(3) Nuggihalli schist belt—Kempinkote.

Andhra Pradesh:

Kolar schist belt—Old Bisanatham mine and Chigargunta.

Bihar *State:*

Porojarna Mine block, Kunderkoeha gold deposit, Singhbhum Distt.

Maharashtra:

Kolari gold prospect, Bhandara District.

The GSI is carrying out regional exploration for gold in the Gadag and Hutti gold fields (Kamataka) and Kolar schist belt (in Kamataka and jits extensions in Andhra Pradesh & Tamil Nadu) as well as in the States of Kerala, Bihar, Madhya Pradesh and Orissa. The DGML has conducted feasibility studies on the Chigargunta gold deposit and has plans to produce initially 250 tonnes per day gradually increasing it to 500 TPD of gold ore.

(d) A total amount of about Rupees 40 crores has so far been sanctioned since 1980 for completed end running gold projects of Mineral Ex ploration Corporation Limited out o-which about Rupees 27 crore have been spent. In addition the Geological Survey of India cartie out regional exploration for mineral including gold, throughout the aoun try which is financed from GSIs budget. During 1987-88 Field Season GSI is likely to spend Rupees 335 lakhs for different gold Investigations in the country.

चीनी का उत्पादन तथा मूल्य

453. श्री राम जेठमलानी : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष मई, 1988 तक चीनी का रिकार्ड उत्पादन हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले वर्षों की तुलना में चीनी के उत्पादन में कितनी अधिक वृद्धि हुई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस वर्ष जून और जुलाई में चीनी का खुदरा मूल्य बाजार में 8 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया ; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा चीनी के मूल्य को कम करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० एल० बैठा) : (क) और (ख) जी हां, 31 मई, 1988 की

स्थिति के अनुसार, चालू वर्ष में कुल 88.17 लाख मीटरी टन चीनी का उत्पादन हुआ है जबकि पिछले वर्ष इसी तारीख तक 82.29 लाख मीटरी टन चीनी का उत्पादन हुआ था ; इस प्रकार इसमें 5.88 लाख मीटरी टन की वृद्धि हुई है ।

(ग) और (घ) चीनी बाजार में सट्टेबाजी की प्रवृत्तियों के कारण जून, 1988 के प्रारम्भ से खुले बाजार में चीनी के मूल्यों में वृद्धि हुई है । पर्याप्त स्टाक होने से सरकार ने जुलाई, 1988 मास के लिए मुक्त बिक्री की चीनी का कोटा बढ़ा कर 5 लाख मीटरी टन कर दिया है जबकि जून, 1988 मास के लिए 4.40 लाख मीटरी टन चीनी निर्मुक्त की गई थी । अगस्त, 1988 मास के लिए देशी भाग में से 5 लाख मीटरी टन चीनी मुक्त बिक्री के कोटे के रूप में देने की घोषणा की गई है । इसके अलावा नियंत्रित माध्यमों से वितरित करने के लिए राज्य सरकारों को आयातित चीनी भी निर्मुक्त की जाएगी । राज्य सरकारों से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि चीनी के थोक लाइसेंस शुदा व्यापारियों द्वारा स्टाक के कारोबार के लिए स्टाक रखने की सीमा और समय-सीमा से संबंधित सांविधिक उपबन्धों को कड़ाई से लागू करें । सरकार भी चीनी फैक्टरियों द्वारा निर्मुक्त की गई मात्रा की बिक्री और पेश से संबंधित सांविधिक उपबन्धों को कड़ाई से लागू करना सुनिश्चित करेगी ।

वनस्पति घी का मूल्य

454. श्री राम जेठमलानी : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जून-जुलाई, 1988 के दौरान वनस्पति, देश के विभिन्न भागों में पारदर्शिक मूल्य नियंत्रण योजना के अंतर्गत निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक मूल्य पर बेचा जा रहा था ?

(ख) यदि हां, तो इन महीनों में महानगरों में 15 किलो के वनस्पति घी के कास्तर का थोक बाजार भाव कितना रहा ;

(ग) क्या सरकार ने वनस्पति उत्पादकों से इस बारे में बातचीत की; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति संराज्य मंत्री (श्री डी० एन० बैठा) : कुछ केन्द्रों में जून-जुलाई, 1988 के दौरान वनस्पति के मूल्य अधिक होने की खबरें समाचार-पत्रों में छपी हैं ?

(ख) महानगरों में वनस्पति के 15 कि० ग्रा० के टीन के उपभोक्ता मूल्य (मध्य मूल्य) इस प्रकार है :—

	दिल्ली	मद्रास	कलकत्ता	बम्बई
जून, 1988				
पहली तारीख . . .	346.00	360.00	377.50	361.80
15 तारीख . . .	349.50	359.00	387.50	361.80
जुलाई, 1988				
पहली तारीख . . .	367.00	360.00	389.50	367.20
15 तारीख . . .	358.00	360.00	381.00	369.50